विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **मान सम्मान की इच्छा से मुक्त**

सबके मन में बैठी इच्छा सम्मान सबसे पाने की
औरों के सामने खुद को कुछ बिशेष दिखाने की

जो जैसा है उसको वैसा ही कर लो तुम स्वीकार
सम्मान देने का कहलाता एकमात्र यही संस्कार

आध्यात्मिकता को बनाओ सम्मान का आधार
देह के आधार पर सम्मान नहीं करना स्वीकार

देखकर रूप अनादि करना सबका तुम सम्मान
देह देखकर ना करना कभी किसी का अपमान

युद्ध हजारों किये हमने मान अपमान के कारण
घर घर की कलह क्लेश का एक यही है कारण

झूठे सम्मान से मुक्त होना साक्षी भाव जगाकर
अपने बिंदू स्वरूप में रखना खुद को टिकाकर

बिंदू रूप का ये अभ्यास साक्षी भाव जगायेगा
झूठे सम्मान की अभिलाषा से मुक्ति दिलाएगा

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->